पालन और उत्पादन में वृद्धि करने के लिये कुछ कार्यक्रमों की सिफारिश की गई है, जिन्हें अन्तिम रूप दिया जा रहा है।

(ख) कुक्कुट इकाइयों की स्थापना करने के लिए छोटे कुक्कुट पालकों को सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा रही है।

(ग) राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर अंडों और मुर्गियों के विपणन का कार्य भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड को सौंपा गया है। अंडों और मुर्गियों के विपणन के लिये राज्य स्तर के कुक्कुट निगमों/संघों और इसी प्रकार के अन्य संगठनों द्वारा भी सुविधायें प्रदान की जा रही हैं। इन सुविधाओं का लाभ कुक्कुट पालक अपने-अपने क्षेत्रों में उठा सकते हैं। तथापि इन सुविधाओं का लाभ उठाने के लिये कृषकों की कोई संख्या सीमित नहीं की गई है।

दूध उत्पादन का लक्ष्य

2302. **श्री राम जेठमलानी :** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक समूचे देश में दूध के उत्पादन के लिये निर्धारित लक्ष्य क्या है और इस लक्ष्य के प्राप्त होने के बाद देश के प्रत्येक नागरिक के लिए दूध की उपलब्धता का ब्यौरा क्या है ; और

(ख) क्या सरकार ने दूध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए किसी नई योजना की शुरुआत की है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस समय देश में प्रति-व्यक्ति दूध की औसत खपत क्या है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री श्याम लाल यादव) : (क) और (ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना के लिये दुग्ध उत्पादन के लक्ष्य को अभी अन्तिम रूप नहीं दिया गया है। वर्ष 1988-89 के दौरान प्रति व्यक्ति दूध की औसत खपत प्रति व्यक्ति प्रति दिन 167 ग्राम है। (800 मिलियन अनुमानित जनसंख्या के साथ 48.70 मिलियन मीटरी टन के प्रत्याशित दुग्ध उत्पादन पर आधारित)।

सरसों के उत्पादन के लिए माडल

2303. **श्री राम जेठमलानी :** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 15 मई, 1989 को "हिन्दुस्तान टाइम्स" में प्रकाशित "माँडल फार मस्टर्ड प्रोडक्शन" शीर्षक समाचार की ओर आकृष्ट किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा कृषकों को कृषि वैज्ञानिकों की सक्रिय सहायता उपलब्ध कराने के लिये कोई ठोस कदम उठाये गये हैं ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री हरिकृष्ण शास्त्री) : (क) जी हां।

(ख) जी हां।

(ग) उठाए गए कदम निम्न प्रकार हैं :

1. किसान मेलों का आयोजन।

2. कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित करना।

3. किसानों के खेतों पर प्रदर्शन करना।

4. व्यावहारिक अनुसंधान प्रयोजनायें चालू करना।

5. प्रयोगशाला से खेत तक कार्यक्रम का काम शुरू करना।

6. प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करना।